

प्रयोगात्मक डिजाइन का कई प्रकारों में विभक्त किया है। साध-ही साधु का नामकरण नियंत्रण की परिधि के आधार पर किया गया है। इनमें से प्रमुख प्रकार समूह डिजाइन अंशकित है।

(V) सिर्फ मातृच्छी कृत पोस्टर वेस्ट-निर्गन्त समूह डिजाइन (Randomized posttest only control group design)

इसे posttest only, स्वतंत्र स्वतंत्र-चर (X) भी कहते हैं। प्रयोगात्मक शीषा में यह डिजाइन अत्यन्त लोकप्रिय है। इस डिजाइन का संकेतन (R0290) है। ~~इसे~~ निर्गन्त प्रकार से किया गया है।

RX01

इस डिजाइन में प्रयोगों को दो समूह में बांटा जाता है। पहले दो भागों में लॉटरी के लिए मातृच्छीक विधि का सहायता लिया जाता है। एक समूह में X (स्वतंत्र-चर) दिया जाता है और दूसरे समूह में X (स्वतंत्र-चर) नहीं दिया जाता है। पहले समूह या जिसमें स्वतंत्र-चर (X) दिया जाता है उसे प्रयोगात्मक समूह तथा जिसमें स्वतंत्र-चर (X) नहीं दिया जाता है उसे नियंत्रित समूह कहा जाता है। दोनों समूहों का निर्माण मातृच्छीक ढंग से किया जाता है और वे समान मातृच्छीक होते हैं। "R" इस बात का संकेत है कि इन प्रयोगों का स्वतंत्र जीवनसूचना (population) से मातृच्छीक रूप से किया गया है। "X" देने के बाद प्रयोगात्मक समूह का आश्रित-चर (DV) पर मापन किया जाता है तथा "X" नहीं प्राप्त करने वाले समूह या नियंत्रित समूह का भी DV (आश्रित-चर) पर मापन कर प्राप्ति प्राप्त कर लिया जाता है। इन दोनों समूहों के प्राप्ति को के मापों

के अन्तर् की साम्यता की जांच उपयु.
 सांख्यिकीय परीक्षण यथा - F test, t test, Mann
 whitney U test, आदि के द्वारा की जाती
 है। इस डिजाइन में वाहिरंग चरों को
 यादृच्छीकरण की विधि द्वारा नियंत्रित
 किया जाता है।

(2) सिर्फ या दृच्छीकरण - समेकित - पोस्ट टेस्ट -
 नियंत्रित समूह डिजाइन (Randomized
 matched posttest only control group
 design)

यह डिजाइन या दृच्छीकरण - सिर्फ
 पोस्ट टेस्ट नियंत्रित समूह डिजाइन से
 काफी मिलना-जुलना है परन्तु भूल अन्तर
 यह है कि सिर्फ या दृच्छीकरण पोस्ट टेस्ट
 नियंत्रित समूह डिजाइन में वाहिरंग चरों
 को नियंत्रित करने के लिए मात्र यादृच्छी
करण समेकितकरण की प्रविधि का उपयोग
 किया जाता है जबकि यादृच्छीकरण समे
 कित सिर्फ पोस्ट टेस्ट नियंत्रित समूह
 डिजाइन में वाहिरंग चरों को नियंत्रित
 करने के लिए यादृच्छीकरण तथा
 स्थिरता दोनों प्रविधियों का उपयोग
 किया जाता है। इस डिजाइन को संकेत
 के रूप में निम्नपद देखा जाता
 है -

R X O,

R₁ O₁ - 1

इस डिजाइन में दो ही समूह होते हैं और
 दोनों समूह का प्रायोगिक चयन जीविसंरक्षण या
 समर्थन से यादृच्छिक ढंग से किया जाता है।
 पुनः इन प्रयोज्यों को वाहिरंग चर पर समेकित
 (matched) कर दिया जाता है जो आश्रित
 चर (DV) को प्रभावित कर सकें हैं। इसके
 पश्चात् प्रयोज्यों को दो समूहों में यादृच्छिक
 विभाजन कर दिया जाता है। एक समूह में
 विपश्चयन या स्वतंत्र चर 'X' दिया जाता है और
 दूसरे समूह को इससे वंचित रखा जाता
 है। तत्पश्चात् दोनों समूहों के निर्यादन की